सत्रीय कार्य पुस्तिका

(Tkuojh] 2011 और जुलाई, 2011
सत्र d: लिए)

मधुमक्खी पालन में सर्टिफिकेट
(सी आई बी)

शैक्षणिक वर्ष 2011 के लिए सत्रीय कार्य

fVIi.kh% विद्यार्थियों से अनुरोध है कि वे सर्वप्रथम सत्रीय कार्य /प्रष्नों निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सत्रीय कार्य के विषय को समझ लें। उत्तर लिखने के लिए प्रत्येक इकाई के प्रासंगिक अंष और उपअंष को ध्यानपूर्वक पढ़कर अपने षब्दों में अपना उत्तर तैयार करें। आपका उत्तर अध्ययन सामग्री/खंड जो कि स्वअध्ययन के लिए प्रदान किए गये हैं उनकी अभिव्यक्ति मात्र नहीं होना चाहिए। आपको यह सलाह भी दी जाती है कि सत्रीय कार्य तैयार करने के पूर्व आप अगर सम्भव हो तो अतिरिक्त सामग्री जो कि आपके अध्ययन केन्द्र पर अन्य किसी पुस्तकालय में उपलब्ध है का भी अध्ययन कर सकते हैं। परन्तु अतिरिक्त अध्ययन इन सत्रीय कार्य को तैयार करने के लिए जरूरी है।

कृषि विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
नई दिल्ली–110068

प्रिय विद्यार्थियों,

जैसा की आपको ज्ञात है कि सैद्धान्तिक अंतिम चरण परीक्षा के लिए 80% महत्व सैद्धान्तिक परीक्षा तथा 20% महत्व तथा सौपें हुए कार्य (सत्रीय कार्य) का महत्व होगा। सौपे हुए कार्य को तैयार करने के निर्देश नीचे दिए जा रहे हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य 50 अंकों का होगा यानि संपूर्ण कार्यक्रम मे लिए कुल 3 सत्रीय कार्य होगें। प्रत्येक सत्रीयकार्य 50 अकों का होगा जो कि बाद में सैद्धान्तिक परीक्षा के 20% के बराबर होगा।

सत्रीय कार्य तैयार करने के लिए निर्देश

1. सत्रीय कार्य लिखने से पहले निम्नलिखित निर्देशों का अच्छी प्रकार अध्ययन कर ले। अपने सत्रीय कार्य के मुख पृष्ठ पर विस्तृत सूचना निम्न आरुप में दे।

नामांकन संख्या...

नाम..

पता ....

....

....

पाठ्यक्रम नियमावली...

पाठ्यक्रम शीर्षक...

अध्ययन केंद्र... दिनांक...

(नाम तथा नामावली)

मूल्यांकन को सरल बनाने तथा देरी से बचाव के लिए कृप्या दिये गये आरुप का सख्ती से पालन करें।

2. अपने उत्तर लिखने के लिए पूर्ण आकार के पन्ने का प्रयोग करें।
3. अपनी अभ्यासपुस्तिका के शीर्ष, तले तथा बायी ओर 4 सेन्टीमीटर का स्थान खाली छोड़े।
4. उत्तर लिखते समय प्रश्न संख्या और प्रश्न के उस भाग को जिसको हल किया गया है अच्छी प्रकार इंगित करें।

सत्रीय कार्य संख्या	**जमा करने की तारीख** (Tkuojh] **2011 के लिए**)	**जमा करने की तारीख** (Tkykbl] **2011 के लिए**)
सत्रीय कार्य 1 (OAPI- 011)	28 फरवरी से पहले	31 अगस्त से पहले
सत्रीय कार्य 2 (OAPI- 012)	31 मार्च से पहले	30 सितम्बर से पहले
सत्रीय कार्य 3 (OAPI- 013)	30 अप्रैल से पहले	31 अगस्त से पहले

5. सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयक को भेजें।
6. हम बलपूवर्क सुझाव देते हैं कि आप अपने सत्रीय कार्य अतुक्रिया की एक प्रति सुरक्षित रखें।

शुभकामनाओं सहति।

पाठ्यक्रम कोड : **OAPI- 011**

l=h; dk;l &1

vf/kdre vad &50

lHkh iz’uksa ds mÙkj nhft,A **सभी प्रश्नों के समान अंक के हैं ।**

1) क) मधुमक्खी पालन आपके भिन्न जरूरतों को पूरा कर सकता है। इस वाक्य को आप अपने शब्दों में व्याख्या कीजिए। 5

ख) वर्तमान मधुमक्खी पालन पहले के मधुमक्खी पालन के तुलना में अधिक प्रणालीगत एवं वैज्ञानिक है आप अपने विचार इस वाक्य पर उचित उदाहरण के साथ दें। 5

2) क) शोध हमारे देश में मधुमक्खी पालन को मजबूत करने में कैसे सहायक होगी? व्याख्या करें । 5

ख) हमारे देश में मधु उत्पादन की वर्तमान स्थिति को विस्तृत रूप से व्याख्या करें । 5

3) क) विभिन्न मधुमक्खी जातियों के लक्षणों की व्याख्या करें। 5

ख) मधुमक्खियों के सामाजिक व्यवहार की विवेचना करें । 5

4) क) आप अपने क्षेत्र के मधु के पुष्प वृक्षों की एक सूची दें । इन्हीं सूचनाओं पर आधारित एक पुष्प नक्शा तैयार करें । 5

ख) आधुनिक छत्तों का वर्तमान मधुमक्खी पालन में क्या महत्व है ? उचित उदाहरण के साथ व्याख्या करें । 5

5) क) मधुमक्खी पालन भिन्न प्रकार के आय का स्त्रोत है । इस वाक्य की व्याख्या उचित उदाहरण के साथ करें । 5

ख) मधुमक्खी की शारीरिक आन्तरिक सरचंना का उल्लेख करें । उचित रूपरेखा का समावेश करें । 5

पाठ्यक्रम कोड : **OAPI- 012**

सत्रीय कार्य –2

अधिकतम अंक –50

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के समान अंक के हैं ।

1) क) वर्तमान मधुमक्खी पालन में मधुमक्खी के हानिकारक कीड़ों के अलावा अन्य कीड़ों का क्या महत्व है ? उचित उदाहरण के साथ व्याख्या करें । 5

ख) प्रोटोजोवा मधुमक्खियों के स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित करता है ? मधुमक्खी के नोसेमा बीमारी के लक्षण एवं प्रबन्ध कार्यनीति का उल्लेख करें । 5

2) क) कृशि में उपयोग होने वाले रसायनों का मधुमक्ख्यिों पर हानिकारक प्रभाव पड़ रहा है । इन रसायनों से सभंव खतरों का उल्लेख करें । 5

ख) माइट के खोज एवं इसको नियंत्रित करने की विधियों का उल्लेख करें । 5

3) क) मधुमक्खियों के रसायन से जहरग्रस्त होने के कौन–कौन से कारक प्रभावित करते हैं । 5

ख) जहरीले मधु पुष्प वृक्षों के वर्तमान मधुमक्खी पालन में भूमिका की व्याख्या करें । आप अपने क्षेत्र के ऐसे वृक्षों की एक सूची तैयार करें । 5

4) क) मधुमक्खी पालन में समयानुसार प्रबन्धन एक महत्वपूर्ण क्रिया है । गर्मी के दौरान मधुमक्खियों के प्रबन्धन में किए जाने वाले क्रिया कलापों का वर्णन करें । 5

ख) आटम सीजन (Autumn Season) में मधुमक्खी कालोनी के प्रबन्धन हेतु किए जाने वाले क्रियाओं को दर्शायें। 5

5) क) रानी मक्खी का प्रबन्धन मधुमक्खी पालन में क्यों किया जाता है ? उचित उदाहरण के साथ व्याख्या करें । 5

ख) एक अच्छी रानी मक्खी की गुणवत्ता दर्शाने वाले कारकों की विस्तार से व्याख्या करें । 5

पाठ्यक्रम कोड : OAPI- 013

सत्रीय कार्य –3

अधिकतम अंक –50

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के समान अंक के हैं ।

1) क) मधुमक्खी पालन को अधिक लाभप्रद कैसे बनाया जा सकता है ? इस कथन पर आप अपने विचार प्रकट करें । 5

ख) मधुमक्खी पालन में मधु एक महत्वपूर्ण उत्पाद है । इस कथन पर आप अपने विचार प्रकट करें । मधु के भौतिक लक्षणों की व्याख्या करें । 5

2) क) नियोजित मधुमक्खी पालन क्या है ? इसको कैसे किया जाता है ? 5

ख) मधुमक्खी पालन में मधु के अलावा और कौन–कौन से आर्थिक महत्व के उत्पाद हैं ? इनके मुख्य लक्षण एवं प्रयोग की विस्तृत चर्चा करें 5

3) क) हमारे देश में मधुमक्खी के उत्पाद का व्यवसाय कैसे किया जाता है? व्यवसाय के मुख्य रास्तों की व्याख्या करें । 5

ख) मधुमोम को कैसे इकट्ठा, प्रसंस्करण एक प्रयोग में लाते हैं ? उचित उदाहरण के साथ स्पष्ट करें। 5

4) क) रोयल जेली का क्या महत्व है ? इसका व्यवसाय कैसे करेगें ? 5

ख) बोतल वन्दी एवं पैकेजिंग मधु व्यवसाय कैसे सहायक होती है ? 5

5) क) कृपया मधु निकालने की प्रक्रिया की विवेचना करें । मधु निकालने में उपयोग होने वाले औजारो की सहायता से स्पष्ट करें । 5

ख) मधुमक्खी पालन से मिलने वाले उत्पादों के व्यवसाय में सरकारी सस्थाओं की भूमिका की विवेचना करें । जहॉ जरूरत हो उचित उदाहरण का प्रयोग करें । 5